Hindi Murli Quiz 29-09-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **आत्मा में हर जन्म के संस्कारों का रिकार्ड इस समय भर रहे हो I अगर किसी भी प्रकार का टेन्शन होता है, तो रिकार्ड ठीक नहीं भरेगा I ऐसी नॉलेजफुल आत्माओं में टेन्शन का आधार क्या है ?**

A. टेन्शन का आधार हैं व्यर्थ संकल्प I
B. टेन्शन का आधार है भविष्य का भय I
C. टेन्शन का आधार है पुराने स्वभाव वा संस्कार I
D. टेन्शन का आधार दो शब्द हैं : क्यों और क्या ।किसी भी बात में, यह क्यों हुआ, यह क्या हुआ I,

Q.2) **मुरली के अनुसार, नॉलेजफुल स्टेज में स्थित रहने वालों की निशानियाँ क्या होना चाहिए ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. स्वच्छता अर्थात् पवित्रता I
B. सदा शुद्ध संकल्पों का भोजन लेने वाला और बुद्धि द्वारा सदा ही गुण धारण करने वाला,
C. सदा गंभीर रहने वाला I
D. राइट और रांग (सत्य और असत्य) को जानने वाला,

Q.3) **सम्पूर्ण पवित्रता ही विशेष पार्ट बजाने वालों का श्रृंगार है,परन्तु यह श्रृंगार निरन्तर रहना चाहिए क्योंकि ---(उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. इस समय का श्रृंगार जन्म-जमान्तर के लिए अविनाशी बन जाता है |
B. आप सब हद के, अल्पकाल के पार्ट बजाने वाले हो |
C. सदा पार्ट बजाने के लिए सदा श्रृंगार की हुई मूर्त अर्थात् सदा पवित्र स्वरूप होना|
D. आप सब बेहद का, हर सेकेण्ड, हर संकल्प से सदा पार्ट बजाने वाले हो I

Q.4) **क्विज को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए अपने सुझाव अवश्य दीजियेगा I**

Q.5) **ड्रामा के अन्दर विशेष पार्ट बजाने वालों का श्रृंगार कौन सा है ?**

A. सर्व गुण संपन्न
B. संपूर्ण पवित्रता
C. संपूर्ण निर्विकारी

Explanation : संपूर्ण पवित्रता अर्थात मनसा ,वाचा ,कर्मणा संपूर्ण निर्विकारी।

Q.6) **इन्हे मिलाइये --**

	Choice	Match
A	आत्मा में हर जन्म के संस्कारों का रिकार्ड भरने का समय अभी है,	अगर किसी भी प्रकार का टेन्शन होता है, तो रिकार्ड ठीक नहीं भरेगा I
B	बाप के साथ साथी की और साक्षीपन की विशेषता के कारण,	ड्रामा के हर पार्ट को बजाते हुए कभी टेन्शन नहीं आ सकता	
C	ज़रा भी संकल्प में टेन्शन हुआ अर्थात् अटेन्शन कम हुआ,	तो फुल पास नहीं होंगे इसलिए सदा अचल होना है	
D	शक्ति सेना वा पाण्डव सेना दोनों ही माया को परखते हुए भगाने वाले हो,	हारना व पीछे लौटना व रुकना – यह कमज़ोरों का काम है	
E	सारे कल्प के अन्दर पौना भाग प्राप्ति है,	यह तो लास्ट में गिरावट का अनुभव होता है	
F	बेहद का बाप है, बेहद का वर्सा है,	बुद्धि भी बेहद में रखो, हद की बातें समाप्त करो	

Explanation :

Q.7) **आजकल मनुष्य वाणी से सुन-सुनकर समझते हैं अभी हम सब फुल हो गए हैं, उनको अब कोई नई बात नहीं लगती | वाणी से नहीं लेने चाहते I मैजरिटी अपने पुरुषार्थ से आगे बढ़ने में असमर्थ होते हैं | ऐसी हालत में हमारा लास्ट का पुरुषार्थ वा लास्ट की सर्विस कौन सी होना चाहिए ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. वृत्ति से वायुमन्डल को पावरफुल बनाना,क्योंकि वृत्ति का डायरेक्ट कनेक्शन वायुमन्डल से है |

B. वारदानी के स्टेज की आजकल जरुरत है |

C. असमर्थ व कमज़ोर आत्माओं को अपने वृत्ति द्वारा बल देना यह अति आवश्यक है |

D. महादानी बनकर सेवा करना है I

Explanation : वरदानी का अर्थ ही है वृत्ति से सेवा करने वाले | महादानी हैं वाणी से सेवा करने वाले |

Q.8) **आजकी मुरली के अनुसार , निन्दा-स्तुति, मान-अपमान, हानि-लाभ में समान रहने वाले ही, बाप के सुपूत बच्चे हैं**

A. सही

B. गलत

Explanation : मुरली के अनुसार, योगी तू आत्मा हैं |

Q.9) **महावीर आत्माओं की मुख्य निशानी क्या होगी? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. यह नई बात है, यह पता नहीं – यह शब्द वह कभी कभी ही बोलेंगे |

B. महावीर हर सेकेण्ड, हर संकल्प में चढ़ती कला का अनुभव करेंगे |

C. वह माया के किसी भी रूप को देखते हुए भी देखेंगे नहीं |

D. वह सदा अथक , सदा उमंग-उत्साह में रहने वाले होंगे |

E. महावीर अर्थात् फुल नॉलेज, फुल नॉलेज वाले कभी फेल नहीं हो सकते |

F. वह अनेकों को रास्ता बताने के निमित्त बन जाते हैं I

Q.10) **मुरली के अनुसार, इस ड्रामा के अन्दर हम विशेष पार्टधारी बच्चे हैं I हमारे विशेष पार्ट की विशेषता क्या है ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. हम बाप के साथ साथी बन पार्ट बजाते हैं I

B. हर पार्ट बजाते हुए दोनों ही विशेषताएं रहना चाहियें, अन्यथा साधारण पार्टधारी कहलाये जायेंगे I

C. हर पार्ट अपने साक्षीपन की स्थिति में स्थित हो बजाते हैं I

Explanation :

Q.11) **इन्हें मिलाइये ---**

	Choice	Match
A	अगर सर्वशक्तिमान् बाप का सदा संग है तो आटोमेटिकली सर्वशक्तियों की करेंट आयेगी		जब सर्व शक्तियां मिलती रहेंगी तो सदा हर्षित रहेंगे I
B	चढ़ती कला ऑटोमेटिकली सर्व के प्रति भला करने की सेवा के निमित्त बना देती है|	इसलिए कहा जाता है, "चढ़ती कला तेरे भाने सब का भला |"
C	वरदानी का अर्थ ही है वृत्ति से सेवा करने वाले		महादानी हैं वाणी से सेवा करने वाले	
D	अभी मन्सा, वाचा, कर्मणा तीनों के प्रोग्राम फिक्स करो, अपनी डेली-डायरी रखो,		तब ही नम्बर आगे का ले सकेंगे,नहीं तो पीछे रहना पड़ेगा I
E	बेहद की वृत्ति अर्थात् सर्व आत्माओं के प्रति कल्याण की वृत्ति रखना,		यही मास्टर विश्व कल्याणकारी बनना है	
F	स्व कल्याणी वह हैं,		जो अपनी उन्नति में, अपनी प्राप्ति में, अपने प्रति सन्तुष्टता में राज़ी होकर चलने वाले हैं	

Explanation :